रणजीत टाइम्स

RNI - NO. MPHIN/2015/64585

वर्ष- 13 अंक - 9 साप्ताहिक अख़बार

इंदौर प्रति मंगलवार , 27 मई 2025 से 2 जुन 2025 तक पृष्ठ - 8 मूल्य - 2 रू.

आबकारी विभाग की बड़ी कार्यवाही 3 लाख की शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

आदित्य शर्मा- 8224951278

इंदौर। आबकारी विभाग ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुवे 3 लाख रूपए मूल्य की अवैध शराब जप्त की हे साथ ही एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया हे दरअसल आबकारी विभाग को मुखबिर से सुचना मिली थी की एक वय्क्ति भारी मात्रा में शराब अपने फ्लेट पर रखकर उसे बेच रहा हे मुखबिर के बताये स्थान पर आबकारी विभाग की टीम ने फ्लेट पर दबिश दी और वहा से 21 पेटी बियर और दो पेटी इंगलिश शराब की जप्त की हे मोके से एक आरोपी नितेश को भी गिरफ्तार किया हे आरोपी हरियाणा से अवैध शराब लाकर इंदौर मे बेचा करता था पकड़ी गई शराब की कीमत 3 लाख रूपए बताई जा रही हे वही अभी आरोपी के दो साथी फरार हे जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

एसपी अमन सिंह राठौड़ ने सादे कपड़ों में वीर सावरकर पार्क का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था को परखा

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी : पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने रविवार को सादे कपड़ों में गुरुद्वारा स्थित वीर सावरकर पार्क में और उसके आसपास शांति-व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने वीर सावरकर पार्क का भ्रमण करते हुए पार्क की शान्ति एवं सुरक्षा ब्यवस्था की जांच पड़ताल की। उनकी मौजूदगी के बारे में पार्क में आमजन को भी भनक नहीं लगी । एसपी ने पार्क में कक्षा और वही उन्होंने आमजन से बात की और उनको सफलता के मूल मंत्र दिए। पार्क की सुरक्षा व्यवस्था जांच एसपी अमन सिंह राठौड़ जब वहां से गए तब लोगो को उनकी उपास्थिती के बारे में जानकारी हुई। अमन सिंह राठौड ने पार्कों का अचूक निरीक्षण रविवार को रविवार की शाम पार्क का औचक निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने कहा कि पार्क हमारे जीवन में कई तरह से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पार्क न केवल हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने में मदद करते हैं, बल्कि हमारे पर्यावरण को भी संरक्षित करते हैं और हमारे समुदायों को बेहतर बनाते हैं। एसपी अमन सिंह राठौड़ने कहा कि पार्कों की मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका है। पार्क में टहलना, दौड़ना या केवल बैठना हमारे तनाव को कम करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि पार्क में समय बिताना हमारे मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है, जिससे हम अधिक शांत और खुश महसूस करते हैं। निरीक्षण के दौरान एसपी अमन सिंह राठौड़ ने पार्क में आए लोगों के अलग-अलग समूह से बातचीत की। उनसे पार्कों की सुविधाओं बारे में फीडबैक प्राप्त की। एसपी अमन सिंह राठौड़ ने निर्देश देते हुए कहा कि पार्कों के । इसके साथ ही उन्होंने कहा की पार्कों के भीतर असामाजिक तत्वों व नशेडिय़ों का ठहराव न रहे। उन्होंने पार्क के फव्वारे को चालू करने, योग व बैडमिंटन क्षेत्र की लेवलिंग करने के की भी बात की उन्होंने पार्क की लाइट व्यवस्था को भी देखा। शौचालय सहित पार्क की नियमित रूप से साफ-सफाई को भी देखा।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

पुराने गाँव और आज के शहर बदलती दुनिया की कहानी

संपादकः गोपाल गावंडे

आज जब हम पुराने गाँवों की याद करते हैं, तो वहाँ की सादगी, प्रेम, मान-सम्मान और आपसी जुड़ाव दिल को छू जाता है। गाँवों में भले ही संसाधनों की कमी हो, लेकिन दिलों में प्यार और एक-दूसरे के लिए खड़े रहने की भावना कभी कम नहीं होती। अगर किसी के घर दुख हो, बीमारी हो, या कोई मुश्किल हो — पूरा गाँव एकजुट होकर मदद के लिए तैयार रहता है। वहाँ दोस्ती सिर्फ सोशल मीडिया की फ्रेंडलिस्ट नहीं, बल्कि असली रिश्तों में बसती है। इसके उलट, आज के शहरों में ज़िंदगी की रफ्तार बहुत तेज़ हो गई है। लोग भाग-दौड़ में इतने उलझे हैं कि रिश्ते केवल Facebook, WhatsApp और Instagram तक सिमट गए हैं। यहाँ दोस्ती की परिभाषा 'लाइक' और 'कमेन्ट' में बदल गई है। जब किसी पर असली मुश्किल आती है, लोग वही रुक जाते हैं — ना मदद को आगे आते हैं, ना साथ खड़े होते हैं। शहरों की लाइफस्टाइल ने इंसान को अकेला कर दिया है। पहले संयुक्त परिवार होते थे, जहाँ एक की समस्या पूरी फैमिली मिलकर हल करती थी। आज लोग अकेले घरों में, बैंक के लोन, ईएमआई, शान-शौकत की ज़रूरतों और करियर की भाग-दौड़ में डूबे हुए हैं। डिप्रेशन, एंग्ज़ायटी जैसी मानसिक बीमारियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन दुख की बात ये है कि ऐसे समय में कोई साथ देने वाला नहीं मिलता। शहरों में अगर कोई रास्ते पर गिर जाए या एक्सीडेंट हो जाए, तो लोग मदद की बजाय वीडियो बनाते हैं, फोटो खींचते हैं — यह आधुनिक समाज का आईना है। वहीं गाँवों में अब भी लोग बिना सोचे-समझे मदद को दौड़ पड़ते हैं, चाहे उन्हें खुद की चिंता हो या नहीं। शहरों को गाँवों से बहुत कुछ सीखना चाहिए — खासकर इंसानियत, अपनापन और साथ निभाने की ताकत। क्योंकि असली ज़िंदगी वही है जहाँ रिश्ते दिल से निभाए जाते हैं, ना कि सिर्फ मोबाइल स्क्रीन पर।

दैनिक जीवन की अनेक समस्याओं का सहज समाधान है सहजयोग ध्यान

सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा वर्ष 1970 में प्रतिस्थापित एक अनूठी ध्यान योग पद्धति है। संपूर्ण विश्व के सौ से भी अधिक देशों में ध्यानार्थी साधक इस महानतम साधना से लाभान्वित हो रहे हैं। सहज योग कुंडलिनी जागरण के प्राचीनतम व शाश्वत ज्ञान द्वारा आत्मज्ञान को प्राप्त करने का सहज, सरल एवं सिद्ध मार्ग है। इसमें ध्यान के माध्यम से परमात्मा की सर्वव्यापक शक्ति का प्रतिबिंब जो कुंडलिनी के रूप में प्रत्येक व्यक्ति के मेरुदंड के निचले छोर पर स्थित पवित्र त्रिकोणाकार अस्थि (सेक्रम बोन) में विद्यमान होती है, की जागृति की जाती है। इस शक्ति के जागृत होने पर मानव को सुंदर एवं सृजनात्मक व्यक्तित्व, उत्तम स्वास्थ्य, अंतर्जात प्रतिभा का निखरना, तथा परमात्मा द्वारा पथ प्रदर्शन प्राप्त हो जाता है। सहजयोग आध्यात्मिकता के सोपान का उच्चतम पाया है।

सहजयोग ध्यान द्वारा दैनिक जीवन में होने वाली तमाम समस्याओं जैसे

1. तनाव से उत्पन्न होने वाले रोग
2. मद्यपान व अन्य अनेक प्रकार के दुर्व्यसन
3. चित्त में एकाग्रता की कमी
4. कमजोर स्मरण शक्ति
5. सृजन शक्ति का अभाव
6. आत्मविश्वास की कमी
7. स्व निर्णय लेने की क्षमता का अभाव तथा8. आनंदमय, शांतिपूर्ण एवं संतुलित जीवन का अभाव आदि, से बड़ी ही सहजता से मुक्ति मिल जाती है।सहज योग कोई संप्रदाय नहीं है अतः इसे अपनाकर सभी धर्म, जाति, वर्ण व व्यवसाय के लोग लाभान्वित हुए हैं। इसे आप कुछ ही समय के ध्यान के पश्चात् स्वयं अनुभव कर सकते हैं। यह एक सत्यापित वैज्ञानिक पद्धति है जो सनातन ज्ञान-विज्ञान पर आधारित है। अतः आप सभी इस ध्यान योग पद्धति को पाने एवं अनुभव करने के लिए सादर आमंत्रित हैं। आइए और अपनी आंतरिक शक्ति को अपनी हथेलियों पर अनुभव कीजिए। सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं – 1800 2700 800 बेवसाइट - sahajayoga.org.in

विभिन्न वर्गों में युवा वर्गों में जमकर आक्रोश

इंदौर। संत गाडगे बाबा धर्मशाला मोती तबेला पर 3 दिन के लिए वर्ग विशेष समुदाय को देने पर समाज के विभिन्न वर्गों में युवा वर्गों में जमकर आक्रोश व्यक्त किया गया। आज समाज के युवा वरिष्ठ गण ने धर्मशाला पर एकत्र होकर संत गाडगे बाबा स्वयं सिद्ध भगवान बाबा बालेश्वर महादेव राधा कृष्ण मंदिर को पंडित जी द्वारा मंत्रोचार से गंगाजल गाय मूत्र दूध अभिषेक कर धर्मशाला का शुद्धिकरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से इंदौर रेडीमेड वस्त्र प्रेस मेंन संगठन इंदौर मालवीय धोबी समाज बुंदेला धोबी समाज बासिता धोबी समाज के लोग उपस्थित थे। मुख्य रूप से राजेंद्र मालवीय मनीष गब्बर खटवा केसरिया हिंदू वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन बामनिया पहलवान मुकेश सोलंकी अशोक परमार राजू करडे मुकेश वर्मा दिलीप बुंदेला देवीलाल लश्करी यशवंत लश्करी किशोरी लाल लश्करी नवीन सिसोदिया मुख्य रूप से उपस्थित थे।

संघ के वर्ग में मातृहस्त भोजन में समरसता की मिठास के साथ परिवार के अमृततुल्य क्षणों का अनुभव

206 परिवारों के 480 सदस्यों के साथ 400 स्वयंसेवकों ने एक साथ भोजन किया

पंच परिवर्तन के माध्यम से हिंदू समाज को एक करना लक्ष्य- श्री रघुवीरसिंह
पंथ संचलन में कदमताल करते हुए स्वयंसेवकों के समूह ने सभी को आकर्षित किया।

झाबुआ : राजेश सोनी

मातृहस्त भोजन की अनूठी पहल कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ शिक्षा वर्ग(व्यवसायी) में 206 परिवारों ने मिलकर 400 संघ के अधिकारी, प्रशिक्षक, शिक्षक व प्रबंधकों को एक खुले मैदान में बैठ कर परिवारसह भोजन करवाया। यह दृश्य अपने आप में अनूठा रहा जिसने सामाजिक समरसता का बडा उदाहरण प्रस्तुत किया। मातृहस्त भोजन की परिकल्पना में 15 दिन से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षकों को घर जैसा माहौल प्रदान करना और सामाजिक समरसता के भाव को दृढ करना रहा। जिसमें वर्ग स्थल पर खुले मैदान में 206 ब्लाक बनाकर हर ब्लाक में एक एक परिवार और उनके साथ दो स्वयंसेवक साथ बैठकर भोजन किया। जब यह संपूर्ण दृश्य जिसने भी देखा उसने इस पर प्रसन्नता जाहिर की। रविवार को शाम 6:30 बजे से नगर के 206 परिवार वर्गस्थल पहुंचते है।उन्हें उनके क्रम के अनुसार ब्लाक नम्बर दिया जाता है। वहीं प्रशिक्षकों और शिक्षकों को भी क्रम से ब्लाक नम्बर देकर नियत स्थान तय किया जाता है। इस मातृहस्त भोजन में परिवार अपने साथ घर से ही बैठने के लिए दरी से लेकर भोजन की सभी आवश्यक सामग्री को लेकर आते है और सामूहिक रूप से परिवारसह भोजन करवाते है। जिसमें परिवारजन भी साथ में भोजन करते है। 206 परिवार के 480 सदस्य व वर्ग के 400 स्वयंसेवक एक साथ एक स्थान पर बैठ कर परिवारसह भोजन का आनंद लेते है। पर्यावरण सुरक्षा के लिए पौधे भेंट किये। मातृहस्त भोजन के पश्चात स्वयं सेवकों के द्वारा प्रतिएक परिवार को पर्यावरण की सुरक्षा के लिए दो- दो पौधे प्रदान किये गये और परिवारों से अनुरोध किया गया कि आप इन पौधो का रोपण कर इन्हें वृक्ष बनाये और अपनी आने वाली पीढी को प्राकृतिक उपहार प्रदान करें।

पंच परिवर्तन का संकल्प

सामाजिक समरसमता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, स्वदेशी और नागरिक अनुशासन इन पंच परिवर्तन पर संघ अपने शताब्दी वर्ष में कार्य कर रहा है। जिसमें सभी हिंदू भाई बहनों को जातीवाद से उपर उठ कर सामाजिक समरसता के भाव जागृत करने की प्रेरणा दी जा रही है। जिसके तहत सभी में समानता का भाव जागृत हो कर्म अलग अलग हो सकते है पर सभी हिंदू एक है। उक्त बात मातृहस्त भोजन के लिए आए 206 परिवारों को बौद्धिक देते हुए मालवा प्रान्त सह कार्यवाह रघुवीरसिंह जी सिसौदिया ने कहीं। इस अवसर पर रतलाम विभाग सह कार्यवाह और वर्ग प्रबंध पालक आकाश चौहान भी उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति में परिवार प्रधान

श्री सिसौदिया ने कहा कि हमें सबसे पहले कुटुम्ब प्रबोधन की आवश्यकता है। हमारी पुरातन परंपरा परिवार के एक साथ भोजन करने, बच्चों में भगवान के प्रति श्रद्वा भाव और परिवार में एक जुटता लाना होगी। पश्चिमी संस्कृति व्यक्ति प्रधान है पर हमारी भारतीय संस्कृति परिवार प्रधान है। हम परिवार को महत्व देते है।

स्वदेशी अपनाएं।

श्री सिसौदिया ने आगे कहा कि हमें स्वदेशी की ओर लौटना होगा। हमारे देश को मजबूत करने के लिए हमें स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करना होगा। जिससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और हमारे लोग भी मजबूत बनेगें। इसलिए हमें स्वदेशी की ओर ज्यादा ध्यान देना होगा।

पेड़, पानी प्लास्टीक पर ध्यान दे

श्री सिसौदिया ने बताया कि पर्यावरण की सुरक्षा भी हमारी जवाबदारी है। हम कहते है हमारे दादाजी ने यह पेड लगाया था। पर अब यह संस्कृति विलुप्त होती जा रही है। हमें भी आगे आ कर पर्यावरण बचाना होगा। हम तीन ''प'' पर कार्य करना होगा। पेड़, पानी और प्लास्टीक । पौधे लगाना होगें, पानी बचाना होगा और प्लास्टिक बंद करना होगा।

नागरिक अनुशासन का पालन करें।

अंत में श्री सिसौदिया ने बताया कि नागरिक अनुशासन जरूरी है। जिस प्रकार हम सरकार से अपेक्षा रखते है। इसी प्रकार हमारे कर्तव्य भी होते है। हमें समय पर कर चुकाना, ट्रैफिक नियमों का पालन करना, सरकारी सपंती को नुकसान नहीं पहुंचाना,स्वच्छता का ध्यान रखना आदि बातों में नागरिक अनुशासन लाना होगा, तभी हमारा देश आगे बढेगा।

पथ संचलन भी निकला

इसके पूर्व प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षार्थीयों के द्वारा पथ संचलन निकाला गया। जिसमें उन्होंने संचलन करते हुए देश भक्तिगीतों और घोष के साथ एक जैसी वेशभूषा व हाथों में दंड लेकर कदम ताल करते हुए चले। पथ संचलन के अनुशासन को देख कर नगर के सभी लोग उससे आकर्षित हुए। पथ संचलन वर्ग स्थल से प्रारंभ होकर मंडी प्रांगण तक पहुंचा और वहां से पुनः वर्ग स्थल पर पहुंचा।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

वेदा नदी में हो रहा धड़ल्ले से अवैध उत्खनन

रेत माफिया उड़ा रहे हैं नियमो की धज्जियां पर्यावरण से हो रहा खिलवाड़ प्रशासन मौन

शिवकुमार राठौड़

कसरावद.कसरावद जनपद की ग्राम पंचायत डेडगांव और बोरावा के बीच बह रही वेदा नदी से जेसीबी मशीन और ट्रेक्टर के द्वारा रेत निकाली जा रही है।लगभग 15 से 20 ट्रेक्टरो द्वारा लगातार रेत निकालकर अवैध खनन किया जा रहा है।आफ कैमरा हमारे प्रतिनिधि को कुछ लोगो द्वारा बताया गया कि हम तो आसपास ग्राम के ट्रेक्टर चलाने वाले है यहां आकर बाहर के लोगो द्वारा हमे बताया गया है की हमने यहां ठेका ले लिया है।आप लोग 1100 रुपए का टोकन दो और बेखौफ रेत निकालकर लेकर जाओ हमने उनसे कहा खनिज अधिकारी या अन्य कोई व्यक्ति द्वारा हमारे टैक्टर को पकड़ा और उस कोई कारवाई हुई तो हम क्या करेंगे तो सामने वाले ने जवाब दिया की हम खनिज अधिकारी को पैसे देते हैं और किसी ग्राम पंचायत का नाम भी लिया गया जिसे हम 300 रूपये प्रति ट्राली देते हैं।इसलिए यह हमारी जवाबदारी रहेगी अगर कोई ट्रेक्टर पकड़ता है और उसे कोई रोकता है उससे निपटने का काम हमारा रहेगा।इस तरह की जब बात हमने सुनी तो हम भी आश्चर्य चकित रह गए की कोई इतनी बेखौफ और दबंग तरीके से केसे बात कर सकता है। हम इसकी पुष्टि नहीं करते हैं की यह सच कह रहा है या झूट लेकिन जब एक दर्जन से अधिक टैक्टर का मेला अवैध खनन करने पर आतुर है।वही पूर्व कृषि मंत्री और वर्तमान विधायक सचिन यादव के निवास से कुछ मीटर की दूरी पर इतना बड़ा अवैध खनन केसे हो सकता है वही प्रशासन कुंभकरण की नीद सो रहा है क्या जिले में उमरखली गोगावा कसरावद मलतार जेसे गांव की नदियों से बड़े पैमाने पर रेत निकाली जा रही है।वही खनिज अधिकारी को फोन लगाते हैं तो फोन रिसीव नहीं किया जाता है और ना ही कोई कारवाई होती हैं।तो क्या प्रशासन देख नही रहा है या देखकर अनजान बन रहा है।क्या रेत माफियाओं को या अवैध खनन करने वालो को राजनीतिक संरक्षण के साथ साथ प्रशासनिक संरक्षण भी है। वही इस मामले को लेकर कसरावद एसडीएम सत्येंद्र बैरवा ने बताया की में सबंधित विभाग को बताकर जांच करवाते हैं।

बल्देवगढ़ में जंप की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

मुद्दों पर होगी जंग जिसका कोई नहीं उसका जंपःअध्यक्ष

टीकमगढ़ जिले में पत्रकार ईकाई का वृहद संगठन जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ़ मध्य प्रदेश (जम्प) की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक बल्देवगढ़ नगर के सर्किट हाउस में आयोजित की गई। इस बैठक का आयोजन बल्देवगढ़ तहसील इकाई द्वारा किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अभय मोर के द्वारा की गई। बैठक की शुरुआत में जर्नलिस्ट यूनियन आफ मध्य प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष व टीकमगढ़ जिले में जम्प के संस्थापक अधिमान्य पत्रकार स्वर्गीय विष्णु दयाल श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि देते

हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया एवं उनके सहयोग व संघर्ष को जिले के पत्रकार जगत में उनके योगदान को याद किया गया। तत्पश्चात संगठन के मजबूती, विस्तार एवं पत्रकारों की इस बदलते परिवेश में भूमिका पर सभी पत्रकारों के द्वारा अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए।इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श के बाद निर्णय लिया गया कि जिला अध्यक्ष अभय मोर की अध्यक्षता में जिला सहित तहसील स्तर की नई कार्यकारिणी गठित कर जिले की कार्यकारिणी को नया स्वरूप दिया जाए। साथ ही संगठन के विस्तार के लिए साफ-स्वच्छ पत्रकारिता कर रहे पत्रकार साथियों को जोड़ा जाए जो संगठन के प्रति निष्ठा से कार्य करें। प्रत्येक एक दो माह में संगठन की एक बैठक अलग-अलग तहसील इकाई पर आयोजित की जाए।

समाचार, समस्याएं व खबरें आदि प्रकाशित करने पर यदि किसी अधिकारी या नेता द्वारा संगठन के सदस्य के प्रति दुर्भावना के साथ कोई कार्य किया जाता है, तो समस्त संगठन उस सदस्य के साथ खड़ा रहेगा एवं यह लड़ाई जम्प संगठन की होगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिन मुद्दों को लेकर जम्प संगठन के प्रमुख स्वर्गीय विष्णु दयाल श्रीवास्तव द्वारा जो जंग छेड़ी गई थी, उन अधूरे कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। जैसे पत्रकार भवन को मुक्त कराया जाए, जम्प संगठन के सदस्यों को अधिमान्यता दिलाई जाए सहित अन्य विषय पर भी कार्य किया जाएगा। बैठक में उपस्थित हुए पत्रकार साथियों के प्रति बैठक के आयोजक बल्देवगढ़ ईकाई हरिश्चंद्र यादव, अखंड यादव एवं मुन्नालाल सोनी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष अभय मोर, शेख हनीफ खान, सत्तार बाबा, समीर खान, अकरम खान, अफसर खान, गंधर्व सिंह बुंदेला, संतोष खरे, जमील खान, सुरेंद्र राय, पुष्पेंद्र सिंह, सोनू विश्वकर्मा, लोकेंद्र सिंह, अवधेश वर्मा, नारायण दास मुन्ना सोनी, हरिश्चंद्र यादव, अखंड यादव, मोहसिन खान, नीरज यादव, विकास राय, ललित दुबे, दुर्ग सिंह घोष, धर्मेंद्र यादव, सालिम खान, प्रतीक रामचंदानी, अलहव खान, अहमद खान, इरफान खान, रानू खां, मोहम्मद उबेश खान, इरफान बाबा सहित अन्य पत्रकार बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जतारा विधायक का ट्रांसफर को लेकर पत्र हुआ वायरल, दूसरीं विधानसभा के लोगों के है लेटर में नाम

विधायक ने कहा फर्जी है पत्र, एसपी से करेंगे शिकायत

टीकमगढ़ - जैसे ही सरकार ने ट्रांसफर पॉलिसी लागू की, वैसे ही अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने-अपने ट्रांसफर कराने के लिये आवेदन किए है। लेकिन इसके अलाबा भी राजनेताओं के द्वारा अपने पसंद और नापसंद लोगो को इधर से उधर करने का सिलसिला शुरू हो गया है। जिसको लेकर जतारा विधायक हरिशंकर खटीक का एक पत्र शोसल मीडिया पर वायरल हों रहा है, जिसमे करीब 18 शिक्षकों के नाम लिखे हुए है, जिसमे कुछ शिक्षकों की जिले से बाहर ट्रांसफर की अनुशंसा की गई है। जिसके बाद से जिले से बाहर की गई अनुशंसा बाले शिक्षकों में पत्र वायरल होते ही उदासी का माहौल बन गया। साथ ही इस पत्र के बाद से जतारा विधायक का दूसरीं विधानसभा टीकमगढ़ में इंटरफेयर करने का राजनैतिक गलियारों में बाजार गर्म रहा। क्योंकि पत्र में कुछ भाजपा समर्थित नेताओ के परिजन शिक्षकों के भी नाम शामिल है। अगर यह पत्र सही है तो ट्रांसफर लिस्ट आने के बाद इन शिक्षकों को विधायक द्वारा की गई अनुशंसा अनुसार ही ट्रांसफर होनें चाहिये। वही जब इस मामले को लेकर विधायक हरिशंकर खटीक से चर्चा की तो उन्होंने कहा कि यह भाजपा को बदनाम करने की साज़िश हैं, उनके द्वारा स्थानांतरण को लेकर कोई पत्र जारी नहीं किया हैं। साथ ही बताया हैं की उक्त पत्र की जानकारी उनके पास आई है, पत्र में जो क्रमांक हैं बह भी गलत है। जबकि उनके पत्र की संख्या तक़रीबन 136 तक पहुंची हैं, लेकिन पत्र में क्रमांक 516 अंकित हैं। साथ ही कहाँ की वर्तमान में बह भोपाल में हैं टीकमगढ़ आते ही पुलिस अधीक्षक से उक्त मामले की शिकायत की जाएगी। उन्होंने बताया हैं की उनके पत्र को स्केन करके यह साज़िश की गई हैं। अब देखना यह होगा कि जतारा विधायक टीकमगढ़ आते ही इस फर्जी पत्र पर एक्शन लेते है और पुलिस अधीक्षक से उक्त फर्जीवाडा करने बाले व्यक्ति पर मामला दर्ज करवाते है कि नही। वही टीकमगढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक राकेश गिरी गोस्वामी से उनकी विधानसभा के लोगो के नाम जतारा विधायक के पत्र में आने पर चर्चा की तो उन्होंने बताया की उनके द्वारा कोई नाम ट्रांसफर के लिए नही दिए है, वह जतारा विधायक से इस मामले की चर्चा करेंगे।

जिनको चोट लगी है, उन्होंने दिया है 'ऑपरेशन सिंदूर' का प्रमाण

● उपराष्ट्रपति बोले-ऑपरेशन सिंदूर का लोहा सारी दुनिया ने माना

एमपी में कहा-प्रधानमंत्री मोदी का फैसला लौह पुरुष जैसा रहा

भोपाल (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सरकार पहलगाम आतंकी हमले का जवाब ऑपरेशन सिंदूर से दिया है। इसका लोहा दुनिया ने भी माना है। भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा।

पूरा देश राष्ट्र प्रेम की भावना से ओत-प्रोत है और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने लौह पुरुष की तरह फैसला लिया। उपराष्ट्रपति ने सोमवार को नरसिंहपुर में कृषि समागम मेले का उद्घाटन किया।

इस दौरान उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ भी मौजूद रहीं। इस मौके पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री नारायण कुशवाह, गोविंद सिंह राजपूत, ऐंदल सिंह कंषाना, प्रहलाद सिंह पटेल, राव उदय प्रताप सिंह और राज्यसभा सांसद माया नरोलिया भी मौजूद रहे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने संदेश दिया है कि जिसने सिंदूर मिटाया है, उसे धरती पर रहने का अधिकार नहीं। अंतरराष्ट्रीय सीमा में घुसकर सेना ने क्या सटीक बमबारी की है। कोई प्रमाण नहीं मांग रहा। जिनको चोट लगी है, उन्होंने प्रमाण दे दिया है। अब हर व्यक्ति राष्ट्र भावना से ओत-प्रोत है। ये बड़ी उपलब्धि है। भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा।

● **सीएम बोले- प्रदेशभर में लगाए जाएंगे किसान मेले-** कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में 2002-03 से आज तक एक लाख 32 हजार रुपए प्रति व्यक्ति आय हुई है। आने वाले समय में बिजली बिल से मुक्ति मिल जाएगी। 32 लाख किसानों को सोलर पंप देने की योजना लागू की है। यहां प्रदर्शनी के माध्यम से आधुनिक कृषि यंत्र आए हैं। फसल का उत्पादन बढ़ेगा। कृषि आधारित फूड प्रोसेसिंग कम है। इसी के मकसद से किसान मेला शुरू हुआ है। तीन दिन तक प्रदर्शनी लगेगी। किसान सब्सिडी के माध्यम से जो यंत्र चाहेंगे, सरकार देगी। नरसिंहपुर में 102 हेक्टेयर में नए कृषि आधारित फूड पार्क तैयार किया जा रहा है। 1300 करोड़ से ज्यादा के उद्योग के नए संकल्प लेकर आकार लेंगे। किसान को 5 रुपए में परमानेंट बिजली कनेक्शन देने का फैसला किया है। किसानों को पटवारी के पास जाने की जरूरत नहीं है।

उत्तरी और पश्चिमी कमान के दौरे पर पहुंचे सीडीएस

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद बॉर्डर पर कैसे हैं हालात, लिया जायजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने रविवार को जम्मू-कश्मीर स्थित उधमपुर में भारतीय सेना की उत्तरी कमान और हरियाणा के चंडी मंदिर सैन्य स्टेशन पर पश्चिमी कमान का दौरा किया। सेना की दोनों कमान 'ऑपरेशन सिंदूर' में सक्रिय रूप से शामिल थीं। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने दोनों दौरों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सेना के कमांडरों, लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार एवं वरिष्ठ स्टाफ अधिकारियों से मुलाकात की। अधिकारी 'ऑपरेशन सिंदूर' की योजना और क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से शामिल थे। सीडीएस ने उत्तरी और पश्चिमी थिएटर में रणनीतिक समीक्षा और ऑपरेशनल आंकलन भी किया। उन्होंने उधमपुर में 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर जानकारी ली। उधमपुर में सीडीएस को आतंकवादी नेटवर्क को निष्क्रिय करने, दुश्मन की आतंकवाद समर्थित संपत्तियों को ध्वस्त करने के कदमों के बारे में जानकारी दी गई।

अगर कोई हमारी बहनों का सिंदूर मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय

● दाहोद में मोदी ने कहा-आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी; हमने उनके ठिकाने मिट्टी में मिला दिए

अहमदाबाद (एजेंसी)। पीएम मोदी ने सोमवार को गुजरात के दाहोद में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी। हमने भी आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। मोदी ने कहा, आप बताइए... ऐसे हालात में क्या मोदी चुप बैठ सकता था। जब कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है। पीएम ने कहा, साथियों

जिन्हें कोई नहीं पूछता उन्हें मोदी पूछता है। आदिवासी समाज में लोग पीछे रह गए हैं। उसमें भी पीछे रहने वाले लोगों की चिंता मैं करता हूं। मैने उनके लिए भी योजना बनाई। लाखों आदिवासी भाई बहनों को इसका लाभ मिल रहा है। मैं यहां रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए काम कर रहा हूं। आमसभा से पहले मोदी ने यहां रोड शो भी किया। पीएम मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। ऑपरेशन सिंदूर

के बाद राज्य में यह उनका पहला दौरा है। वे सोमवार सुबह सबसे पहले वडोदरा पहुंचे और रोड शो किया। मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर सैन्य कार्रवाई नहीं है। ये हम भारतीयों के संस्कारों, हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति है।

पीएम ने कहा- स्पेन, इटली की मेट्रो के कोच भारत में बने- मोदी ने कहा, देश की तरक्की के लिए जो कुछ भी चाहिए, वो हम भारत में ही बनाएं, ये आज के समय की मांग है। भारत आज तेज गति से मैन्युफैक्चरिंग की दुनिया में आगे बढ़ रहा है। देश की जरूरत के सामान का निर्माण हो या फिर दुनिया के अलग-अलग देशों में हमारे देश की बनी हुई चीजों का एक्सपोर्ट लगातार बढ़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया की मेट्रो के कोच गुजरात में बने हैं। मैक्सिको, जर्मनी, स्पेन, इटली की मेट्रो के कोच भारत में बने हैं। कॉम्बिया में मेड इन इंडिया ट्रेन चल रही है। मेड इन इंडिया चीजें विदेशों में देखकर हमारा सीना गर्व से ऊंचा हो रहा है पीएम ने कहा, दाहोद में तीन साल पहले मैं इसका शिलान्यास करने आया था। लोग कहते थे कि चुनाव आया तो उद्घाटन करने आ गए, कुछ बनने वाला नही है। लेकिन, आज यहां पहला इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव इंजन बनकर तैयार हो गया है। मैंने कुछ देर पहले ही हरी झंडी दिखाई है।

दुनिया भर के देशों में हमारा एक्सपोर्ट बढ़ा- मोदी ने कहा, दुनिया भर के देशों में हमारा एक्सपोर्ट बढ़ रहा है। आज हम खिलौनों से लेकर सैन्य साजो-सामान तक दुनिया के देशों निर्यात कर रहे हैं। आज भारत रेल, मैट्रो और इसके लिए जरूरी टेक्नोलॉजी बनाता भी है और एक्सपोर्ट भी करता है। पीएम ने कहा- मैं देश सेवा में जुटा हूं। इन वर्षों में देश ने वे फैसले लिए, जो अकल्पनीय थे। इन वर्षो में दशकों पुरानी बेड़ियों को तोड़ा है। देश हर सेक्टर में आगे बढ़ रहा है।

ओआईसी में भी नहीं गल पाई पाकिस्तान की 'दाल'

● कश्मीर मुद्दा उठाने पर तीन मुस्लिम देशों ने जमकर लताड़ा ● पाक के मंसूबे पर फेरा पानी, भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक मोर्चे पर एक बार फिर भारत ने बड़ी जीत हासिल की है। इस बार भारत ने न केवल पाकिस्तान के भारत विरोधी प्रस्ताव को नाकाम किया, बल्कि इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की छवि को और धूमिल कर दिया। दरअसल, पाकिस्तान ने ओआईसी की संसदीय संघ की बैठक में कश्मीर मुद्दे को उठाकर भारत को घेरने की कोशिश की थी, लेकिन तीन प्रमुख मुस्लिम देशों इंडोनेशिया, मिस्र और बहरीन- ने उसका यह मंसूबा नाकाम कर दिया। बैठक जकार्ता में हुई थी, जिसमें पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ प्रस्ताव रखा। लेकिन इंडोनेशिया ने इसका विरोध किया और मिस्र व बहरीन ने उसका समर्थन करते हुए भारत विरोधी टिप्पणी को दस्तावेज़ में शामिल करने से मना कर दिया। यह घटना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका साबित हुई, क्योंकि ओआईसी में 57 मुस्लिम देश शामिल हैं, जिनमें से कई अब भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बना चुके हैं। ओआईसी के कुछ दस्तावेजों में भले ही फिलिस्तीन और गाजा से संबंधित सख्त टिप्पणियां की गई हों, लेकिन भारत के खिलाफ पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणी को मंजूरी नहीं मिली। इसका मतलब है कि इस्लामी देशों में पाकिस्तान की पकड़ कमजोर हो गई है।

प्रियंका गांधी बन सकती हैं यूपी कांग्रेस की 'बॉस'

● मुस्लिम चेहरा हो सकता है प्रदेश अध्यक्ष, पिछड़ों-दलितों को भी मिलेगी जिम्मेदारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दल धीरे-धीरे चुनावी मोड में आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ी कांग्रेस को भी यहां से उम्मीदें नजर आ रही हैं। यहां कांग्रेस को 6 सीटें मिलीं थीं।

चर्चा जोरों पर है कि यूपी में चुनाव से पहले एक बार फिर प्रियंका गांधी को जिम्मेदारी दी जाएगी। दूसरी चर्चा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को लेकर है। किसी मुस्लिम चेहरे को इसकी कमान दी जा सकती है। इसको लेकर दिल्ली में कांग्रेस की टॉप लीडरशिप में मंथन भी हो चुका है।

सूत्रों के हवाले से खबर है कि कांग्रेस आलाकमान प्रियंका गांधी को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यूपी का प्रभारी या चुनाव प्रभारी बनाने पर विचार कर रहा है। हाल ही में दिल्ली में एक बैठक हुई

थी। जिसमें शुरुआती तौर पर चर्चा भी हुई। यूपी में अगर कांग्रेस मजबूत होती है, तो इसका फायदा केंद्र में मिलेगा। इससे पहले, 2019 से 2022 तक प्रियंका यूपी कांग्रेस की महासचिव और प्रभारी रह चुकी हैं।

इस दौरान उन्होंने संगठन को मजबूत करने और स्थानीय नेताओं को एकजुट करने की कोशिश की। लेकिन, सीमित संसाधनों और संगठनात्मक कमजोरियों के कारण उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन (6 सीटें) ने पार्टी को नई उम्मीद दी है। ऐसे में प्रियंका को फिर से प्रदेश प्रभारी या चुनाव प्रभारी बनाए जाने की संभावना को बल मिल रहा है। प्रियंका गांधी को यूपी में कांग्रेस की रणनीति का केंद्र माना जाता है।

● **चुनाव में ही ऐक्टिव होती रही हैं प्रियंका-** प्रियंका गांधी की सबसे कमजोर कड़ी उनका स्थायी रूप से यूपी में न होना है। चुनाव 2022 का हो या 2024 का। चुनाव के बाद प्रियंका गांधी यूपी लौटकर नहीं आईं। 2022 के चुनाव में वह प्रदेश प्रभारी थीं। उन्होंने जोर-शोर से कैंपेन चलाया था...लड़की हूं, लड़ सकती हूं। जो फेल हो गया। चुनाव खत्म होने के बाद प्रियंका गांधी यूपी नहीं लौटीं। इसी तरह 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रियंका गांधी ने ज्यादा समय रायबरेली और अमेठी सीट पर दिया था। कांग्रेस को यहां पिछले चुनाव के मुकाबले 6 गुना कामयाबी मिली। इसके बावजूद 18 मई को यूपी से दिल्ली गई प्रियंका लौट कर नहीं आईं।

● **प्रदेश अध्यक्ष मुस्लिम चेहरे को देने की तैयारी-** दूसरी चर्चा यूपी के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को लेकर है। इस बार तैयारी किसी मुस्लिम चेहरे को लाने की है। इसके लिए दो नाम चर्चा में हैं। पहला- सहारनपुर के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और दूसरा- बसपा छोड़कर कांग्रेस में आए नसीमुद्दीन सिद्दीकी। अभी यूपी में कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय हैं।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

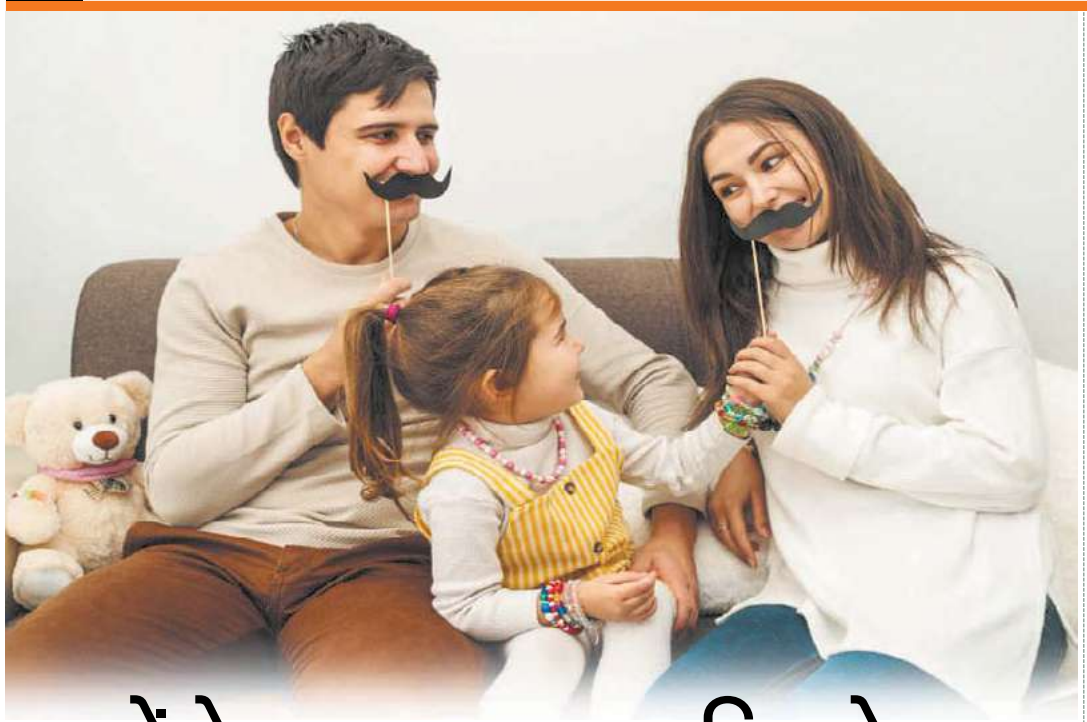

बच्चों के साथ रखना चाहिए दोस्ताना व्यवहार, ज्यादातर पैरेंट्स करते हैं ये चूक

बच्चों के साथ समय बिताएं, उनके साथ खेलें, बातचीत करें और उनकी एक्टिविटी में शामिल हों। जब बच्चे कुछ कहें, तो ध्यान से सुनें और उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें।

बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार करना और दोस्ताना माहौल बनाए रखना पैरेंटिंग का एक अहम हिस्सा है। बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखना एक बेहतरीन तरीका है, जिससे आप उनके साथ एक मजबूत बंधन बना सकते हैं। यह न केवल बच्चों को सुरक्षित और प्यार महसूस कराता है, बल्कि उनके विकास के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

क्यों है बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार जरूरी?

बच्चे जब अपने माता-पिता को दोस्त समझते हैं, तो वे अपनी बातें खुलकर कह पाते हैं। इससे बच्चों को लगता है कि उनके माता-पिता उनकी बात सुनेंगे और उनकी भावनाओं को समझेंगे। दोस्ताना व्यवहार से माता-पिता और बच्चों के बीच एक मजबूत संबंध बनता है। इससे बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास बेहतर होता है। बच्चे आत्मविश्वास से भरे होते हैं और अपनी क्षमताओं पर विश्वास करते हैं।
माता-पिता अक्सर ये गलतियां करते हैं बच्चों को आदेश देने की बजाय उन्हें समझाएं कि क्यों कुछ चीजें करना जरूरी है। क्योंकि, बच्चों की अपनी राय होती है, उन्हें सुनें और उनकी राय का सम्मान करना चाहिए। बच्चों की तुलना दूसरों से न करें। बच्चों पर चिल्लाना या मारना उनके आत्मविश्वास को कम करता है।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार कैसे रखें?

बच्चों के साथ समय बिताएं, उनके साथ खेलें, बातचीत करें और उनकी एक्टिविटी में शामिल हों। जब बच्चे कुछ कहें, तो ध्यान से सुनें और उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें। बच्चों से सवाल पूछें, ताकि वे अपनी बातें खुलकर कह सकें। बच्चों की हर छोटी बड़ी उपलब्धियों की सराहना करें और उन्हें प्रोत्साहित करें। दोस्ती का मतलब यह नहीं है कि बच्चों को सब कुछ करने दें। उन्हें सीमाएं निर्धारित करें और उन्हें समझाएं कि क्यों कुछ चीजें करना जरूरी है। बच्चों को वह व्यवहार सिखाएं जो आप उनसे देखना चाहते हैं। बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार करने के लिए आपको खुद में कुछ बदलाव लाने पड़ सकते हैं। बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाए रखने के लिए धैर्य रखना बहुत जरूरी है।

दोस्ताना व्यवहार रखें

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने से वे आपसे अपने मन की बातें खुलकर साझा कर सकते हैं। इससे बच्चे आपके करीब महसूस करते हैं और किसी भी समस्या या चिंता को बिना झिझक आपके सामने रख सकते हैं। अक्सर माता-पिता बच्चों की बातों को नजरअंदाज कर देते हैं या जल्दी-जल्दी जवाब देते हैं। यह एक बड़ी चूक है। बच्चों की बातों को ध्यान से सुनना और उनकी भावनाओं को समझना जरूरी है। अनुशासन सिखाएं, लेकिन प्यार से अनुशासन जरूरी है, लेकिन इसे सख्ती से नहीं बल्कि प्यार और समझदारी से सिखाएं। बच्चों को उनकी गलतियों का एहसास कराते समय उन्हें यह भी समझाएं कि आप उनसे प्यार करते हैं और यही कारण है कि आप उनकी भलाई के लिए ऐसा कर रहे हैं। बच्चों की तुलना दूसरों से करने से वे असुरक्षित महसूस कर सकते हैं। हर बच्चा अनोखा होता है और उनके गुणों को पहचानना और सराहना करना जरूरी है। बच्चे अपने माता-पिता के व्यवहार को देखकर सीखते हैं। इसलिए, उन्हें अच्छे मूल्य सिखाने के लिए आपको खुद अच्छे आचरण का पालन करना चाहिए।

प्रोत्साहन और प्रशंसा करें

बच्चों को उनके अच्छे व्यवहार, मेहनत और उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित करना और प्रशंसा करना चाहिए। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आगे और बेहतर करने के लिए प्रेरित होते हैं। बच्चों को समय देना बेहद जरूरी है। उन्हें अपनी दिनचर्या में शामिल करें और उनके साथ खेलें, पढ़ें, और बातचीत करें। इससे आपका रिश्ता मजबूत होगा।

इस तरह प्यार से समझाएंगी तो आपका चंचल और शरारती बच्चा भी रहेगा खुश

बच्चे जब खेलते-कूदते हैं और तरह-तरह की शरारतें करते हैं तो घर-परिवार में हर किसी का अच्छा खासा मनोरंजन होता है। लेकिन कभी-कभार बच्चों की शरारतें बहुत ज्यादा बढ़ जाती हैं, जिन्हें संभालना पेरेंट्स के लिए मुश्किल हो जाता है। कई बार बच्चे खुद को नोटिस कराने के लिए चिल्लाते हैं तो कभी बहुत जिद करते हैं वहीं कभी-कभी बच्चे बहुत ज्यादा रोते भी हैं। अगर ऐसी चीजें बच्चे की आदत में शुमार हो जाए तो पेरेंट्स गुस्से में बच्चों को पीट देते हैं या बुरा-भला कह देते हैं, लेकिन इसका असर बच्चों पर अच्छा नहीं होता। ऐसे में बच्चों से समझदारी से डील करना बहुत अहम हो जाता है। आइए जानते हैं कि बच्चे इस तरह का व्यवहार क्यों करते हैं और ऐसे व्यवहार से पेरेंट्स को कैसे डील करना चाहिए।

इन चीजों का बच्चों पर पड़ता है असर

बच्चों के जीवन में आने वाले परवर्तन का उन पर गहरा असर होता है। घर में छोटे भाई-बहन का आना, घर शिफ्ट करना, प्ले ग्रुप में जाना, किसी नए बच्चे के संपर्क में आना, परिवार के सदस्यों के साथ व्यवहार, ये सभी चीजें बच्चों के व्यवहार पर असर डालती हैं।
कई बार पेरेंट्स अपने चैलेंजेस में इतनी बुरी तरह उलझ जाते हैं कि उसका असर बच्चे भी महसूस करते हैं। बच्चों पर पेरेंट्स का नाहक नाराज होना उन्हें गुस्सैल और चिड़चिड़ा बना देता है।
कई बार पेरेंट्स के बच्चों के साथ बहुत ज्यादा सख्ती से पेश आने की वजह से भी बच्चे पेरेंट्स के प्रति नाराजगी रखते हैं और रिएक्ट करते हैं, ऐसे में पेरेंट्स को अपने व्यवहार के प्रति बहुत सजग रहने की जरूरत होती है।
बच्चे पेरेंट्स से अटेंशन चाहते हैं और इसमें कुछ भी बुरा नहीं है। अगर बच्चे थोड़ी-बहुत शरारत कर रहे हैं और शालीनता से पेश आ रहे हैं तो उन्हें प्यार से समझाया जा सकता है और अगर वे थोड़ी ज्यादा शरारत करें तो उनकी हर बात को मानना बहुत जरूरी नहीं है।

बच्चे के सामने हार ना माने

कई बार बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए बहुत आक्रामकता से पेश आते हैं। जोर-जोर से चिल्लाना, सिर पटकना, कूद-फांद मचाना, घर-भर में दौड़ लगाना जैसी एक्टिविटीज करके बच्चे चाहते हैं कि उनकी बात फौरन मान ली जाए। ऐसी स्थिति में आप बच्चे को इंस्पायर करें कि वह अपनी बात आपसे प्यार से कहे। आप उसकी बात संजीदगी से सुनें और प्यार से उससे बात करें, लेकिन अगर उसकी बात वाजिब नहीं है तो आप अपनी बात पर कायम रहें। बच्चा एक-दो बार जिद करता है, लेकिन जब उसे पेरेंट्स के व्यवहार में कंसिस्टेंसी दिखती है तो वह मान जाता है।

पेरेंट्स के गुस्सा करने पर बच्चे भी होते हैं चिड़चिड़े

अगर बच्चे किसी बात से नाराज होकर चिल्लाते हैं और जिद करते हैं और आप भी उसी तरह से व्यवहार करते हैं तो उनका व्यवहार हमेशा के लिए ऐसी ही बन सकता है। अगर आप शांत भाव से बच्चे से बात करती हैं तो आप बच्चे को ज्यादा बेहतर तरीके से कन्विंस कर सकती हैं। साथ ही आपके धैर्य से बात करने से धीरे-धीरे बच्चे का गुस्सा भी शांत हो जाता है और वह रिलैक्स होकर आपसे बात करने लगता है।

बच्चों को समय देना है जरूरी

कई बार पेरेंट्स के बिजी होने पर बच्चे अकेला महसूस करते हैं और अपनी प्रॉब्लम्स शेयर नहीं कर पाते और इस सिचुएशन में भी वे ज्यादा गुस्सा करते हैं। अगर बच्चों को पर्याप्त समय दिया जाए, उसके साथ खेलकूद में वक्त बिताया जाए, उसके साथ उनकी प्रॉब्लम्स की चर्चा की जाए और मौज-मस्ती में वक्त बिताया जाए, तो पेरेंट्स के साथ उनकी बॉन्डिंग भी बेहतर होती है। इससे बच्चे मेंटली ज्यादा रिलैक्स रहते हैं और अपनी सिचुएशन को बेहतर तरीके से हैंडल करना सीख लेते हैं और पेरेंट्स के साथ भी अपनी प्रॉब्लम्स को आसानी से साझा करने में कामयाब होते हैं।

बच्चों से डील करते हुए वही करें जो सही हो

कई बार बच्चे पेरेंट्स पर प्रेशर डालकर उनसे कोई बात मनवाना चाहते हैं। मसलन वे अपनी पसंद का सामान खरीदना चाहते हैं, किसी एक्टिविटी में जाना चाहते हैं, टीवी देखना चाहते हैं या अपनी पसंद का कोई और काम करना चाहते हैं। इसमें ये देखना जरूरी है कि बच्चे की बात किस हद तक मानी जा सकती है। अगर बच्चे की बात कुछ हद तक मानी जा सकती है तो उसे इस बारे में स्पष्ट बताएं और अपनी स्थिति भी उसके सामने साफ कर दें। अगर बच्चे की परीक्षाएं हैं और वह अनुशासित नहीं है तो उसके नखरे उठाने के बजाय थोड़ा सख्ती से पेशा आना बच्चे के हित में है। अगर बच्चा बड़े खर्च करने के लिए प्रेशराइज करे तो सिर्फ उसकी बात रखने के लिए उसकी इच्छाएं पूरी करना सही नहीं है।

खंडवा गैंग रेप केस : कोर्ट ने आरोपियों को 2 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा, कांग्रेस ने की फांसी की मांग

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा में महिला से दरिंदगी की वारदात ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। गैंगरेप करने वाले 2 आरोपियों को कल कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के बाद न्यायालय ने उन्हें दो दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया।

कांग्रेस जांच कमेटी पहुंची खंडवा, परिवार को 25 लाख देने की मांग

खंडवा गैंगरेप मामले को लेकर कांग्रेस की जांच कमेटी आज खंडवा पहुंची। जांच कमेटी पहले पीड़िता के परिवार के गांव पहुच कर परिजनों से मुलाकात की। इसके बाद वहां से लौटकर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। जांच दल में विधायक झूमा सोलंकी, शोभा ओझा, पूर्व मंत्री विजयलक्ष्मी साधौ शामिल थी। सभी ने मांग की है कि पीड़िता के परिवार को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि दी जाए। इसके अलावा परिवार के सदस्य को नौकरी दी जाए। वहीं इस पूरे मामले की निरपेक्षता से जांच करने की मांग। विधायक झूमा सोलंकी ने क्षेत्र के मंत्री विजय शाह पर निशाने साधते हुए कहा कि कद्दावर मिनिस्टर का क्षेत्र है। अभी हाल ही में उनके विचार पूरे देश नहीं अंतर्राष्ट्रीय देशों ने भी जाने है।

गैंगरेप पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा, दोषियों की फांसी की मांग

कांग्रेस दल ने स्थानीय प्रशासन पर भी लापरवाही के आरोप लगाए। कांग्रेस नेत्री शोभा ओझा ने गैंगरेप की घटना को लेकर मध्य प्रदेश सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाए कि प्रदेश में लगातार गैंगरेप के मामले बढ़ रहे हैं। दरिंदे छोटी बच्चियों को भी निशाना बना रहे हैं। खंडवा में हुए गैंग रेप की घटना की जितनी निंदा की जाए वह कम है। पीड़ित ने जो दर्द सहा है, इसका एहसास करना भी मुश्किल है। कांग्रेस के समिति के सदस्यों ने पीड़ित परिवार को इंसाफ देने और आरोपियों को सख्त सजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश महिलाओं के अत्याचार के मामले में अव्वल है और सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही। दल में शामिल विधायक झूमा सोलंकी ने दोषियों को फांसी की सजा की मांग की है।

ग्वालियर में पीएम ई-बस सेवा का करना पड़ेगा इंतजार बदहाल ट्रैफिक, सड़कों की चौड़ाई, टिकट दर समेत कई चुनौती

मुख्य सचिव खुद कर रहे प्रोजेक्ट की निगरानी

ग्वालियर। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा का मध्य प्रदेश के 6 शहरों में शामिल ग्वालियर में भी संचालन शुरू होना है। लेकिन शहर के अंदर इनके संचालन में मौजूदा ट्रैफिक हालात, सड़कों की चौड़ाई और अन्य कारण बड़ी चुनौती बने हुए है। हालांकि प्रशासन इन चुनौतियों से पार पाने की कवायद में जुटा हुआ है। स्मार्ट सिटी ग्वालियर शहर में पीएम ई-बस सेवा के तहत 100 बसों का संचालन होना है। इनमें 09 मीटर लम्बी 60 इलेक्ट्रॉनिक बसें पहले फेज में चलाई जानी है। लेकिन शहरवासियों को फिलहाल इस सेवा का लुफ्त उठाने के लिए इंतजार करना होगा। क्योंकि शहर में बसों के संचालन के लिए पहले रूट सर्वे में ही कई चुनौतियां प्रशासन के सामने आई है जिसके चलते इनका संचालन शुरुआती दौर में ही बड़ा चैलेंज बना हुआ है। शहरवासियों का कहना है कि अगर शहर में पीएम ई-बस सेवा शुरू होती है तो यह बड़ी सौगात होगी। क्योंकि इससे शहर में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण में भी इससे काफी कमी आएगी। साथ ही अच्छा सिटी ट्रांसपोर्ट उपलब्ध हो सकेगा, लेकिन इन सबसे पहले प्रशासन को उनके सामने मौजूद चुनौतियों की परीक्षा को पास करना होगा।

शहर में मौजूदा बदहाल ट्रैफिक सिस्टम

सड़कों पर मौजूद बड़ी संख्या में ई-रिक्शों के पहले से बिगड़े हुए रूट।

ऑटो टेम्पो चालक पूर्व में ई-रिक्शा की संख्या बढ़ने पर आंदोलन कर विरोध जता चुके है। ई-बसे भी उनके लिए बिजनेस कॉम्पटीशन बढ़ाएंगी।

ई-रिक्शा, ओटो, टैम्पो की तुलना में ई-बसों में किफायती टिकट दर तय करना।

शहर के मुख्य चौक चौराहों पर हाथ ठेला सहित स्थायी कांक्रीट अतिक्रमण हटाना।

बस स्टॉप सहित अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर अभी तैयार ही नहीं हुआ।

पूर्व में स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन द्वारा सिटी बस सेवा पूरी तरह से धराशाई हो चुकी है।

ग्वालियर निगम आयुक्त संघ प्रिय का कहना है कि पीएम ई-बस सेवा का संचालन होना है। इसको लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। वह बसों में खुद बैठकर शहर में इनके संचालन के लिए रूट तय कर रहे हैं। इस दौरान उनके सामने जो भी चुनौतियां नजर आ रही हैं, उन्हें नोट डाउन किया जा रहा है। साथ ही कहां पर बस स्टॉप तैयार होने हैं, इसको भी चिन्हित किया जा रहा है। इसकी विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे बस स्टॉप सहित अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा।

मुख्य सचिव खुद कर रहे इस प्रोजेक्ट की निगरानी

शहरवासी इस सेवा का लुफ्त उठाने उम्मीद लगाए बैठे हैं। वहीं प्रशासन चुनौतियों से पार पाने की कवायद में जुटा हुआ है। बहरहाल मामला प्रधानमंत्री ई-बस सेवा का है, मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव खुद इस प्रोजेक्ट की निगरानी कर रहे हैं। ऐसे में यदि यह प्रोजेक्ट धरातल पर उतरता है तो शहरवासियों को लोकल सिटी ट्रांसपोर्ट की बेहतर सुविधा जरूर मिल पाएगी।

प्रदेश में जिला अध्यक्ष चुनाव के लिए ऑब्जर्वर नियुक्त, हर जिले में 5 नेताओं का बनेगा एक पैनल

राहुल गांधी करेंगे प्लानिंग-मॉनिटरिंग- उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने जिला अध्यक्ष चुनाव के लिए ऑब्जर्वर नियुक्त कर दिए हैं। इसे लेकर उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे का बड़ा बयान सामने आया हैं। उन्होंने कहा कि ऑब्जर्वर से योग्य व्यक्ति का चयन हो सकेगा इसकी प्लानिंग-मॉनिटरिंग खुद राहुल गांधी करेंगे। वहीं इस पर भारतीय जनता पार्टी ने तंज कसा है।

राहुल गांधी करेंगे प्लानिंग-मॉनिटरिंग- उपनेता प्रतिपक्ष

हेमंत बोले- बीजेपी अपना प्रदेश और राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बना पा रही

एमपी जिला अध्यक्ष चुनाव के लिए नियुक्त ऑब्जर्वर पर उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने कहा कि पारदर्शी प्रक्रिया को अपनाया है। अब नियुक्ति के बाद ऐसी शिकायत नहीं आएगी कि किसी नेता के पसंदीदा व्यक्ति को अध्यक्ष बना दिया गया। ऑब्जर्वर से योग्य व्यक्ति का चयन हो सकेगा। इसकी प्लानिंग-मॉनिटरिंग खुद राहुल गांधी करेंगे। वहीं उन्होंने कहा कि बीजेपी हम पर सवाल न उठाएं। भाजपा खुद अपना प्रदेश और राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बना पा रही है। जब बीजेपी जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हुई तो सबने देखा किस तरह के हालात बने थे। वहीं इस पर भारतीय जनता पार्टी की प्रतिक्रिया सामने आई है।

भाजपा का पलटवार

बीजेपी प्रवक्ता राजपाल सिंह सिसौदिया ने कहा कि कांग्रेस ने जो आब्जर्वर नियुक्त किये हैं, क्या वह मध्य प्रदेश के दौरे पर आएंगे और यदि वह आते भी है और रायशुमारी कर नाम ले भी जाएंगे तो उस आधार पर घोषित नहीं होंगे। बल्कि ऑब्जर्वर के पीछे ही मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेता पहुंचेंगे और अपने-अपने पट्ठों को जिला अध्यक्ष बनाने की बात कहेंगे। कांग्रेस अब कोई भी पायलट प्रोजेक्ट एमपी में शुरू कर ले उनका हवाई जहाज यहां से टेक ऑफ होने वाला नहीं है।

एआईसीसी ने नियुक्त किए 50 आब्जर्वर

दरअसल, मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन के अंदर जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। एमपी कांग्रेस के जिला और शहर अध्यक्ष अगले दो महीने के अंदर बदल दिए जाएंगे। शहर अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष बदलने से पहले बाकायदा एक-एक जिले में माइक्रो लेवल पर काम किया जाएगा। जिसको लेकर आईसीसी ने 50 ऑब्जर्वरों की टीम मैदान में उतारी है। जिसमें सभी को एक-एक जिले की जिम्मेदारी दी गई है।

हर जिले में 5 नेताओं का बनेगा एक पैनल

एआईसीसी ने देश के कांग्रेस के बड़े नेताओं को एक-एक जिले की जिम्मेदारी दी है। ये तमाम नेता हर जिले की विधानसभा के नेताओं से रायशुमारी कर एक रिपोर्ट तैयार करेंगे। जो जिला अध्यक्ष और शहर अध्यक्ष के दावेदार हैं, उनका इंटरव्यू जिला स्तर पर लिया जाएगा। हर जिले में 5 नेताओं का एक पैनल बनाया जाएगा। इसके बाद दिल्ली में इंटरव्यू होगा। फिर उसके बाद जिला अध्यक्ष और शहर अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी जाएगी।

एमपी कांग्रेस भी नियुक्ति करेगी ऑब्जर्वर

एआईसीसी आब्जर्वर के साथ मध्य प्रदेश कांग्रेस की तरफ से भी तीन ऑब्जर्वर नियुक्त किया जाएंगे। एक ऑब्जर्वर के साथ तीन नेताओं को लगाया जाएगा। जिनको जिले की जानकारी रहेगी जो आईसीसी ऑब्जर्वर को जातिगत समीकरण के अलावा लोकल स्तर की राजनीति का इनपुट देगा। मध्य प्रदेश कांग्रेस के ऑब्जर्वर की नियुक्ति अगले एक हफ्ते के अंदर हो जाएगी।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत संगठन में होगा बदलाव

आपको बता दें कि गुजरात अधिवेशन में तय हुआ था कि संगठन में अब नए तरीके से बदलाव किया जाएगा। उसी के तहत पहले गुजरात में आईसीसी ऑब्जर्वर के तहत संगठन सर्जन का काम किया गया। अब उसके बाद मध्य प्रदेश और हरियाणा को पायलट प्रोजेक्ट के तहत संगठन में बदलाव किया जाएगा। इस कवायद का मकसद है कांग्रेस संगठन को बूथ लेवल पर मजबूत किया जाए। इसके अलावा नेताओं के समर्थकों को जिला अध्यक्ष और शहर अध्यक्ष की जगह कांग्रेस के सच्चे सिपाही को जिम्मेदारी दी जाए, जिससे पार्टी जमीन पर मजबूत हो सके।

शादी की फर्जी वेबसाइट बनाने वाला 'लुटेरा दूल्हा' गिरफ्तार, 80 से ज्यादा महिलाओं से की चैटिंग, झांसा देकर ऐंठे लाखों रुपए

बड़नगर/उज्जैन। उज्जैन में शादी का झांसा देकर महिलाओं से लाखों रुपए ठगने वाले एक 'लुटेरा दूल्हे' को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने खुद की शादी वेबसाइट बनाकर अब तक करीब 80 से अधिक महिलाओं से संपर्क किया। पुलिस को उसके मोबाइल से 35 महिलाओं से की गई चैटिंग का रिकॉर्ड मिला है। दो महिलाओं से आरोपी ने 15 लाख रुपए से अधिक की ठगी की है। बड़नगर थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने बताया कि आरोपी का नाम सचिन पिता सुरेश जगताप, निवासी मुंबई (कल्याण) है। एक तलाकशुदा महिला नर्स ने आरोपी के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि शादी के लिए एक वेबसाइट पर आवेदन किया था, जहां से सचिन ने उससे संपर्क किया और खुद को फैक्ट्री मालिक बताया।

12 लाख रुपए और फ्लैट के नाम पर झांसा

सचिन ने नर्स को बताया कि उसकी फैक्ट्री में नुकसान हो गया है और उसे एक फ्लैट खरीदना है। भरोसा दिलाकर उसने महिला से 12 लाख रुपए ऐंठ लिए। इसके बाद वह उज्जैन की एक विधवा महिला के संपर्क में आया और उससे शादी का वादा कर साढ़े तीन लाख रुपए व महंगा मोबाइल ले गया।

लिव-इन पार्टनर ने खोली पोल

सचिन मुंबई में एक महिला के साथ लिव-इन में रह रहा था। एक दिन वह अपना मोबाइल घर पर ही छोड़ गया। महिला ने मोबाइल देखा तो उसमें दोनों पीड़िताओं की जानकारी मिली। शक होने पर उसने नर्स से संपर्क किया और पूरे मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद दोनों महिलाओं ने अपने-अपने स्तर पर पुलिस से संपर्क किया। जांच में पुष्टि होने पर बड़नगर पुलिस ने सचिन को हिरासत में ले लिया।

पुलिस को 35 महिलाओं की जानकारी

थाना प्रभारी पाटीदार ने बताया कि आरोपी का मोबाइल जब्त कर लिया गया है, जिसमें अब तक 35 महिलाओं से की गई चैटिंग मिली है। आरोपी मुख्य रूप से तलाकशुदा और विधवा महिलाओं को निशाना बनाता था। उसकी वेबसाइट और सोशल मीडिया अकाउंट की जांच जारी है। एसडीओपी महेन्द्र सिंह परमार ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और संभावना है कि और भी पीड़ित महिलाएं सामने आ सकती हैं।

फिर डरा रहा कोरोना, दिल्ली में 100 से ज्यादा केस, एक हफ्ते में ही 99 मामले

नईदिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस ने एक बार फिर अपने पैर पसारना शुरू कर दिया है। अन्य राज्यों की तरह दिल्ली में कोरोना के नए मामले बढ़े हैं। सवास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में कोरोना के 100 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। जानकारी के मुताबिक फिलहाल दिल्ली में कोरोना के ऐक्टिव मामले में 104 हैं। इनमें से ज्यादातर मामले पिछले एक हफ्ते में सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 19 मई के बाद से 99 नए मामले सामने आए हैं। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि इन मामलों से घबराने की जरूरत नहीं है कि क्योंकि इनके लक्षण काफी माइल्ड है। हालांकि एतियात बरतना जरूरी है।

अस्पतालों को सभी जरूरी तैयारी रखने के आदेश

इससे पहले दिल्ली सरकार ने कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर अस्पतालों को सभी जरूरी तैयारी रखने के आदेश दिए थे। दिल्ली सरकार ने सभी अस्पतालों को बिस्तरों, ऑक्सीजन, दवाइयों और टीकों की उपलब्धता के लिए तैयार रहने को लेकर एडवाइजरी जारी की थी। यह पहली बार है जब दिल्ली में लगभग तीन सालों के बाद कोविड-19 के मामले सामने आए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, दिल्ली सरकार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमने राजधानी के सभी अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों, चिकित्सकों और उनकी टीम के साथ पहले ही समन्वय कर लिया है। बयान में कहा गया है कि तैयारियों के संदर्भ में अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट पर रखा गया है और त्वरित प्रतिक्रिया और देखभाल सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और जनता को समय पर जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पहले, स्वास्थ्य विभाग ने कोविड-19 की तैयारियों के संबंध में दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों को एक परामर्श जारी किया था।

इस बीच, स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों को कोविड-19 की तैयारियों के बारे में एक परामर्श जारी किया। यह परामर्श कई राज्यों में कोविड के मामले सामने आने के बाद जारी किया गया है। सरकार ने स्वास्थ्य संस्थानों से जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए सभी पॉजिटिव सैंपल लोक नायक अस्पताल भेजने को कहा है। इसमें कहा गया है, ''अस्पतालों को बिस्तर, ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक्स, अन्य दवाओं और टीके की उपलब्धता के मामले में तैयारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

भारत में फिर से लगेंगी कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में कोरोना वायरस एक बार फिर से पैर पसारने लगा है। ऐसे में इस बीमारी से बचाव के लिए दोबारा से कोरोना बूस्टर वैक्सीन डोज की चर्चा फिर शुरू होने लगी है। हालांकि, विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है कि वर्तमान में भारत में अभी कोरोना बूस्टर डोज की कोई जरूरत नहीं है। पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ और नीति विश्लेषक डॉ. चंद्रकांत लहरिया ने कहा कि मौजूदा महामारी विज्ञान की स्थिति को देखते हुए न तो अभी बूस्टर वैक्सीन की जरूरत है और न ही निकट भविष्य में इसकी कोई संभावना दिख रही है। डॉ. लहरिया ने कहा कि कोरोना अब नया वायरस नहीं है। भारत की पूरी आबादी किसी न किसी रूप में इस वायरस के संपर्क में आ चुकी है। सभी उम्र, वर्गों में संक्रमण फैला है और ज्यादातर वयस्कों को पहले ही दो या दो से अधिक वैक्सीन डोज मिल चुकी हैं। एम्स के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर नीरज निश्चल ने बताया कि इस समय देश में जो वेरिएंट सक्रिय है वह जेएन1 है, जो नया नहीं है। उन्होंने कहा कि अब हर कुछ महीनों में मामूली संक्रमणों की लहरें आती रहेंगी, लेकिन यह चिंता का विषय नहीं है। डॉ. लहरिया ने बताया कि फिलहाल भारत में रिपोर्ट हो रहे मामलों की संख्या बहुत कम है। देश में हर 50 लाख की आबादी पर सिर्फ एक कोविड केस दर्ज हो रहा है।

भारत में एमआर वैक्सीन उपलब्ध नहीं

डॉ. लहरिया ने बताया कि जो वैक्सीन नए वेरिएंट्स के मुताबिक बदले जा सकते हैं, वे एमआरएनए तकनीक पर आधारित हैं, लेकिन ऐसी वैक्सीन भारत में न तो लाइसेंस प्राप्त हैं और न ही उपलब्ध हैं। ऐसे में जो वैक्सीन हमारे पास हैं, वह वर्तमान वेरिएंट के खिलाफ बहुत प्रभावी नहीं मानी जा सकतीं। डॉ. लहरिया ने यह भी स्पष्ट किया कि कोविड वैक्सीन संक्रमण को पूरी तरह रोक नहीं पाती। मौजूदा हालात में गंभीर बीमारी और मौत की संभावना अत्यंत कम है। ऐसे में वैक्सीनेशन का लाभ नहीं है।

एनआईए ने दिल्ली से सीआरपीएफ जवान को किया गिरफ्तार, पाकिस्तान के लिए करता था जासूसी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में दिल्ली से एक सीआरपीएफ के जवान को गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के अफसरों के साथ संवेदनशील जानकारी शेयर करने के आरोप है।

एनआईए ने सोमवार को एक बयान जारी कर बताया कि आरोपी मोती राम जाट जासूसी गतिविधि में सक्रिय रूप से शामिल था। वह 2023 से पाकिस्तान खुफिया अधिकारियों (पीआईओ) के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी क्लासिफाइड इन्फॉर्मेशन शेयर कर रहा था। एनआईए को आगे जांच में पता चला कि वह अलग-अलग माध्यमों से पीआईओ से धन प्राप्त कर रहा था। एनआईए ने मोती राम को दिल्ली से पकड़ा था। आरोपी से आगे की पूछताछ की जा रही है। एजेंसी ने उसे आज पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत में पेश किया, जहां से उसे 6 जून तक एनआईए की कस्टडी में भेज दिया है। बता दें कि, पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी जासूसों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इस घटना के बाद पकड़े गए कई जासूसों में हरियाणा की एक यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा एक बड़ा और फेमस नाम है। उसके बाद कई और लोगों को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है। माना जा रहा है कि यह आंकड़ा आगे और भी बढ़ सकता है।

कौन है ज्योति मल्होत्रा, कैसे बनी पाकिस्तानी जासूस- यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को 17 मई को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। ज्योति पर भी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप है। पुलिस ने बताया था कि हिसार की रहने वाली और 'ट्रैवल विद जेओ' नाम से यूट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति मल्होत्रा के खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। ज्योति के यूट्यूब चैनल पर 3.77 लाख सब्सक्राइबर हैं। वह दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिस्तानी कर्मचारी दानिश से संपर्क में थी। भारत ने कथित तौर पर जासूसी में लिप्त होने के कारण उस पाकिस्तानी अधिकारी को 13 मई को निष्कासित कर दिया था। उसके यूट्यूब चैनल अकाउंट पर 'इंडियन गर्ल इन पाकिस्तान', 'इंडियन गर्ल एक्सप्लोरिंग लाहौर', 'इंडियन गर्ल ऐट कटास राज टेंपल' और 'इंडियन गर्ल राइड्स लक्जरी बस इन पाकिस्तान' जैसे पाकिस्तान यात्रा से जुड़े कुछ वीडियो पोस्ट किए गए हैं। उसने अब तक कुल 487 वीडियो बनाए हैं।

नक्सली विलेन को हीरो नहीं बनने देना; बसवराजू का शव भी परिवार को नहीं मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। जिंदगीभर जंगलों में छिपते हुए मारकाट मचाने वाले नक्सली नेता नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू का अंतिम संस्कार भी गुपचुप ही होगा। 22 मई को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में हुए एनकाउंटर में ढेर किए गए बसवराजू के शव को पुलिस परिवार के हवाले नहीं करना चाहती है। आतंकवादियों की तरह उसका अंतिम संस्कार करने की तैयारी है। दरअसल पुलिस नहीं चाहती है कि नक्सली विलेन को हीरो बनाने का कोई मौका उसके समर्थकों को मिले।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बसवराजू की एक सौतेली मां और भाई आंध्र प्रदेश के श्रीक्कुलम जिले में रहते हैं। उसके भाइयों और कुछ रिश्तेदारों ने शव पाने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस से संपर्क किया है। पुलिस दावों की जांच कर रही है और अंतिम फैसला लेने से पहले हर पहलू पर विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मिले संकेत के आधार पर बताया गया है कि पुलिस बसवराजू का अंतिम संस्कार उसी तरह कर सकती है जिस तरह 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के मारे जाने के बाद किया जाता है। वहां किसी स्थानीय आतंकवादी के एनकाउंटर के बाद शव को परिवार के हवाले नहीं किया जाता है और पुलिस अज्ञात स्थान पर दफनाती है। परिवार के कुछ सदस्यों को ही इसमें शामिल होने की इजाजत होती है।

दरअसल, वहां देखा गया था कि आतंकवादियों के जनाजे के जरिए भावनाओं को उभारने और नापाक साजिशों को मौका मिलता था। उन्हें हीरो की तरह पेश करके कट्टरता और लोकल भर्ती को बढ़ाने की कोशिश होती थी।

बोड़ाकी मेट्रो प्लान को मंजूरी मिलने की आस, 2.6 किमी लंबे रूट पर होंगे 2 स्टेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी रेलवे स्टेशन तक प्रस्तावित नई मेट्रो लाइन को लेकर सोमवार को दिल्ली में आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के समक्ष प्रेजेंटेशन होगा। नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) के अधिकारी इस रूट की कार्ययोजना प्रस्तुत करेंगे। केंद्र सरकार से जल्द इस रूट को मंजूरी मिलने की उम्मीद होगी।

एनएमआरसी के अधिकारियों ने बताया कि यह मेट्रो ट्रैक एलिवेटेड होगा और इसकी लंबाई 2.6 किलोमीटर होगी। यह जिले में मेट्रो का सबसे छोटा रूट होगा, जो एक्वा लाइन का एक्सटेंशन रूट होगा। अभी एक्वा लाइन पर नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा के डिपो मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो चल रही है। अब ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो जाएगी। इस रूट पर जुनपत और बोड़ाकी सिर्फ दो मेट्रो स्टेशन होंगे। बोड़ाकी में बड़ा स्टेशन बनाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इस रूट पर मेट्रो चलाने में 416 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। डीएमआईसी इस मेट्रो रूट के लिए जमीन उपलब्ध कराएगा। 500 करोड़ रुपये से कम बजट का रूट होने के कारण यह मंजूरी के लिए कैबिनेट की बैठक में नहीं जाएगा। केंद्र से मंजूरी मिलने के बाद इस रूट के लिए नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) डिजाइन कंसल्टेंट की नियुक्ति करेगा। इसके बाद निर्माण शुरू करने के लिए टेंडर जारी किया जाएगा।

जानकारी मांगी – केंद्र सरकार ने सेक्टर-142 से सेक्टर-38ए बॉटनिकल गार्डन तक प्रस्तावित मेट्रो रूट को लेकर फिर कुछ सवाल पूछे हैं। एनएमआरसी के अधिकारियों ने बताया कि इस रूट से संबंधित दो बिंदुओं पर जानकारी मांगी गई है।

नोएडा एयरपोर्ट शुरू होने से पहले बसों की पार्किंग बनानी होगी- वहीं, जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बॉटेनिकल गार्डन तक तीन नए रूट पर बसें चलाने में देरी संभव है। संचालन से पहले बसों को खड़ा करने के लिए ऑल इंडिया टूरिस्ट बस पार्क यानी बस अड्डा विकसित करना होगा। बस अड्डा विकसित करने के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। जिलाधिकारी जल्द ही बैठक कर बस अड्डे के लिए जगह चिह्नित करेंगे। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) ने पिछले महीने नोएडा एयरपोर्ट से बॉटेनिकल गार्डन तक तीन नए बस रूट निधारित किए थे। इन्हें उत्तर प्रदेश सरकार ने मंजूरी भी दे थी। इनमें सबसे प्रमुख एयरपोर्ट से ग्रेटर नोएडा के परी चौक को जोड़ने वाला रूट है। इस 42 किमी लंबे बस रूट का लाभ विशेष तौर पर क्षेत्र के स्थानीय लोगों के साथ एयरपोर्ट जाने वाले यात्री को मिलेगा।

पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाई

महू। महू शहर में नेहरू प्रतिमा स्थल पर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसजनों द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर चाचा नेहरू के देश के प्रति अतुलनीय योगदान, आधुनिक भारत की नींव रखने में उनकी दूरदृष्टि और विकास के प्रति उनके दृष्टिकोण को स्मरण किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)